

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

संस्कृत-सूत्र-संग्रहः

[illegible]

१ स्व... दीशत... मनु... सति २ न... द
 श्रीवि... ३... श्री...
 नन... कल... श्रीवि... नी...

रं...
 म...
 म...
 म...
 म...
 म...
 म...
 म...
 म...
 म...

१४	१	१२
२	११	१३
१०	१५	६

जिल... सिं... यमा॥ य... गितादव॥
 उस... नाया... य... य...
 य... २१००० ह... ॥



ॐ ऊँ कीं म... क...
 या... नमः॥
 जि... म... स...
 या... १०८

ॐ नमः श्री ३ उग्र गणेशाय नमः ॥ ॥ स्वस्ति ॥ श्री ॥ नमः श्री
 विष्णु त्रीनयनय गिरिनामस्तु स्य हे नवरात्रि नूतन दुष्ट हन्त्री विष्णु त्रीनयन
 लीला नादवगाह दि ॥ ह्रीं वीरं ह्रीं मक्ति ॥ नमः किलकं ॥ नमः क
 मरुत यात्य श्री विष्णु त्रीनयनय गीता श्री श्रुत्य विनिर्थाग ॥ ॥
 ह्रीं नमः ॥ ह्रीं नमः ॥ ह्रीं नमः ॥ ह्रीं नमः ॥ ह्रीं नमः ॥ ह्रीं नमः ॥

अनामिकायां नमः ॥ ह्रीं कनिष्ठीकायां नमः ॥ ह्रीं कनकलक
 नयनयायां नमः ॥ ह्रीं निन्दन्यास ॥ ह्रीं हृदयाय नमः ॥ ह्रीं मित्र
 लाहाहा ह्रीं सिखाये वषट् ॥ ह्रीं कवचाय ह्रीं ॥ ह्रीं नमः ॥ ह्रीं याय वीष
 ट् ॥ ह्रीं ॥ ह्रीं याय रुट् ॥ ह्रीं निन्दनादिन्यास ॥ ह्रीं १५ दिगवध ॥ ह्रीं
 ध्यानं ॥ नीलांशुधेनसंनिर्णयनां वन्द्या वन्द्या ॥

धात्रा मूर्ध्नि भ्रातृदां तृणवर्गो दंडु कालाननां ॥ मूलं टं कफया
न कं कउ मे न हं हं मुकु विजगी मे अमी ४ दृग ४ वै ने वे गे दमनीः
पुखी नी ना रा वयं ॥ ॥ मूलमनु न प कउ य वा न न वृ ज्ञा या य ॥
मृथं प्राप ॥ डी नमः कृष्ण वा स से विह स रु सु हि सि नि स रु सु व द न
महा व लं य ना कि न य खी नि न य न से न य प न क र्म वि धं सि नि य न म

आ ना दि नी सर्व रु ग द म नि सर्व द वा व ध य र सर्व वि द्या दि ण्दि धि र
क्रा र य र य न यं ग नी र्हे ट्य र सर्व मृ र व तां ता ट्य ता ट्य क ल ज्ञा ता
कि र्क क ना ल व द न य खी नि न डी न म ॥ थ म लु धा न १०००० कि दा से
रु प या य रु मू ०० का म लु धा न य तिं हा म या य धा १००० धा न दि
ध न न म लु सि र्दि र्हा ॥ ॥ थ म लु धा १०० ल ख रु पा अ क्का य व

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ २ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ह्राकनालाननी॥ मूलैटंककयालकं वठुमनेरुमांमुवेविय
नीसंअभा॥ ४८॥ ४८॥ वेनिवर्गदमनीयेरुगिनांरावेय॥ ॥ धन
१०६॥ शासनय॥ ॥ महाकृमियावावास्, हाकूउपवान
न, थअसरेरुनि, थपथअमन कामनाकदाअ, यवउपः
वा नदयकंपूजायाय॥ उउशायायअउशायाजाययाय॥

निलकालियावर्नु॥ धनजिंदुदुवयाधन१०००॥ धनधून
काअरवअलाहानिनराअनत्रिहालाअठथराजपाअ
दवयानह्यायइ॥ ॥ मनयगाययको, वि, धनविदिनहा
मयाय, सि, कनेहासांसि, अकसि, दुधसांसि, धनसदगायाउ
मदनसागेवनाखिर्नमात्र॥ धनदभंग, जिंदुसुवदि१०००॥ ११

धर्मक्षामयाय धूनकाऽ॥ दक्षिंथया म्रदुयु स्या धर्मस
दुगा १ वाहानं वलिदानविय वृद्धा धूनक ॥ उद्धयाय दि
न नियच्छुद्धुन न कमान धर्मन थ व मरु गा ०० उद्धगा ॥ ॥
इष्टवम वृद्धिं दथयायु १ नाहाऽ॥ हय कटोर विदय
क रउयय स म्रमं हग्वा विष म्रमयादि हाकुरु ०० स्यादि

[illegible]

नर्कवर्ष ॥ वसिकर्ष ॥ ॥ पिरुवर्ष ॥ नरुनया ॥ ॥ स्यामव
 र्ष ॥ उर्गनयाय ॥ ॥ कूयावर्ष ॥ केनरुयाय ॥ ॥ एम्नव
 र्ष ॥ ॥ मन्त्रियाय ॥ रुद्रयाय ॥ ॥ काश्चिसेवर्ष ॥ कायमा नद
 वेयाइ ॥ ॥ ४ ॥ कृषुवर्ष ॥ मासुनयाय ॥ ॥ ४ ॥
 अथ अत क ह्यः ॥ ह्युं उं अत ए आदित्य उं ॥ त क ई कायापि क न सि

२ काचनस्था २ वि

माता नय, अथिर्क ॥ सुद्रपाभात सुध गध क स मलाग याइ
 डि-या ॥ अत्रि विडा वि केन स न लाज न दाय क प्र १ ह्या उ व ल
 रु स लि लि का या ॥ गय, अ उ म स ल ॥ १ ॥ अ ल ॥ १००० मि
 ग ल ॥ १००० नाय का ॥ नय सुवर्न रुयि ॥ ॥ अथिर्क क सि
 गंध क स मलाग न कू के सि स न या हा १ ॥ मि स थु हा न य
 सि रु रु न, काय न रु न, थु हा ॥ रु या का य ॥ ॥

हिकायागु मीसुध नयान दहाउ थ यरुयिगु बूद मानक
विजानक लुमनहा १ नयान उदयरुगु सुगु लु मजधुयि
गु ॥ हा २ नयान आय १००० पुयिगु हा ३ नयान वदुह
जनिं आय थु ॥ हा ६ नयान वजाया आय रुतं दहि नया
मवि पूया पत्राक्रम थु ॥ तिमनिदन लहा गिवन सुक्ति थु

॥ ॐ निरुतु यमं तु क ह्यसमाफ ॥ ॥ अथ सनवर्धु न
लेक स्य ॥ आदिवा लयूष नक्रु वदु हा काय थ या यिक
ने स हा कयु उति ला ग या स्ये दि य अं ज ल नड लं सफ पार
ख नदयु गाय साया इदु थ या हा दि या ३ सा धन ना प न
इदु ग जान ॐ दि तिन य या यथ शु क थं ल हि न यरु ॥ ॥

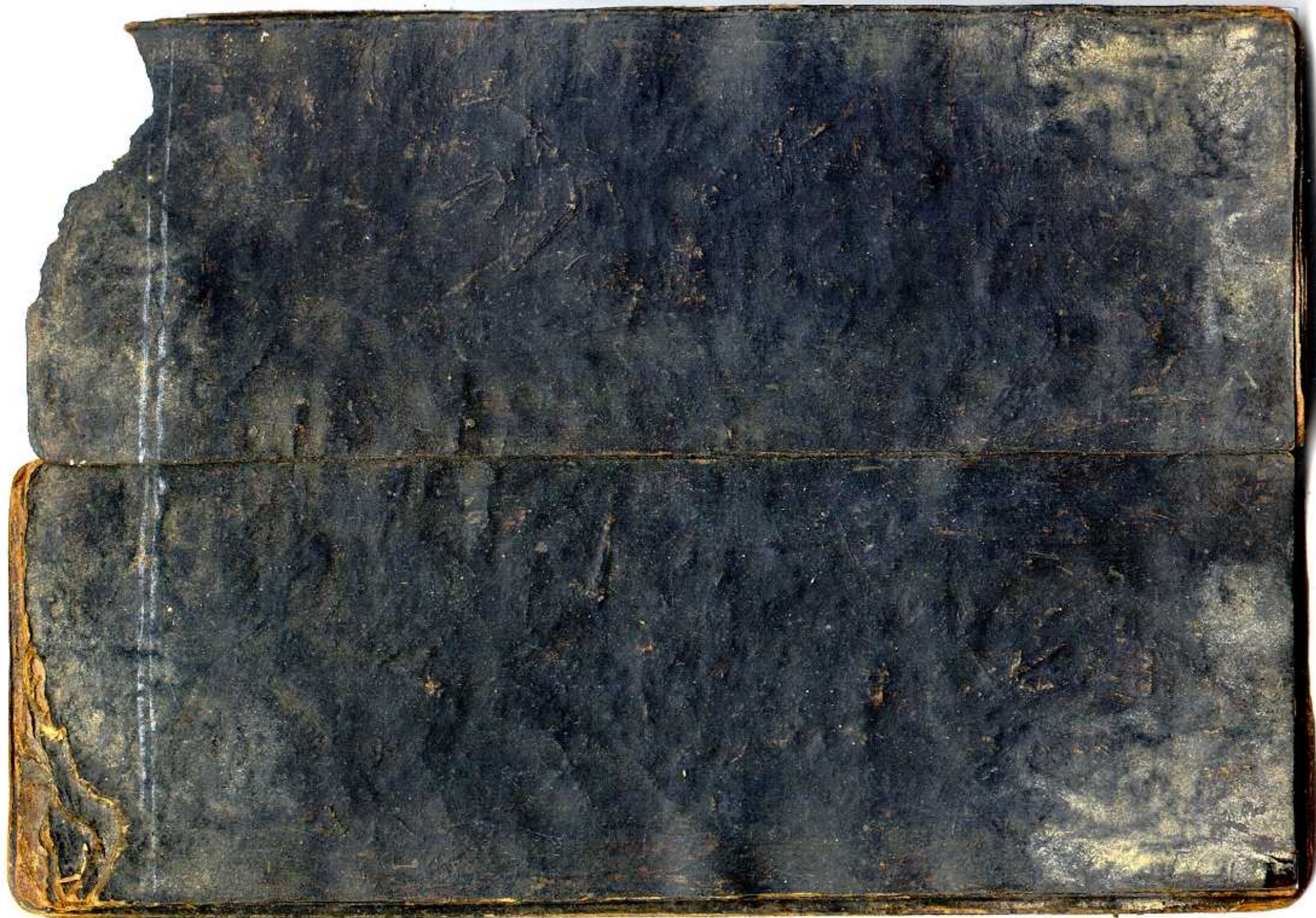
यादृशं यथा
द्वयं द्वयं

१४	१	१३
को सां सुमा नि नि द वी ड न रू घ न क		१२
१५		६

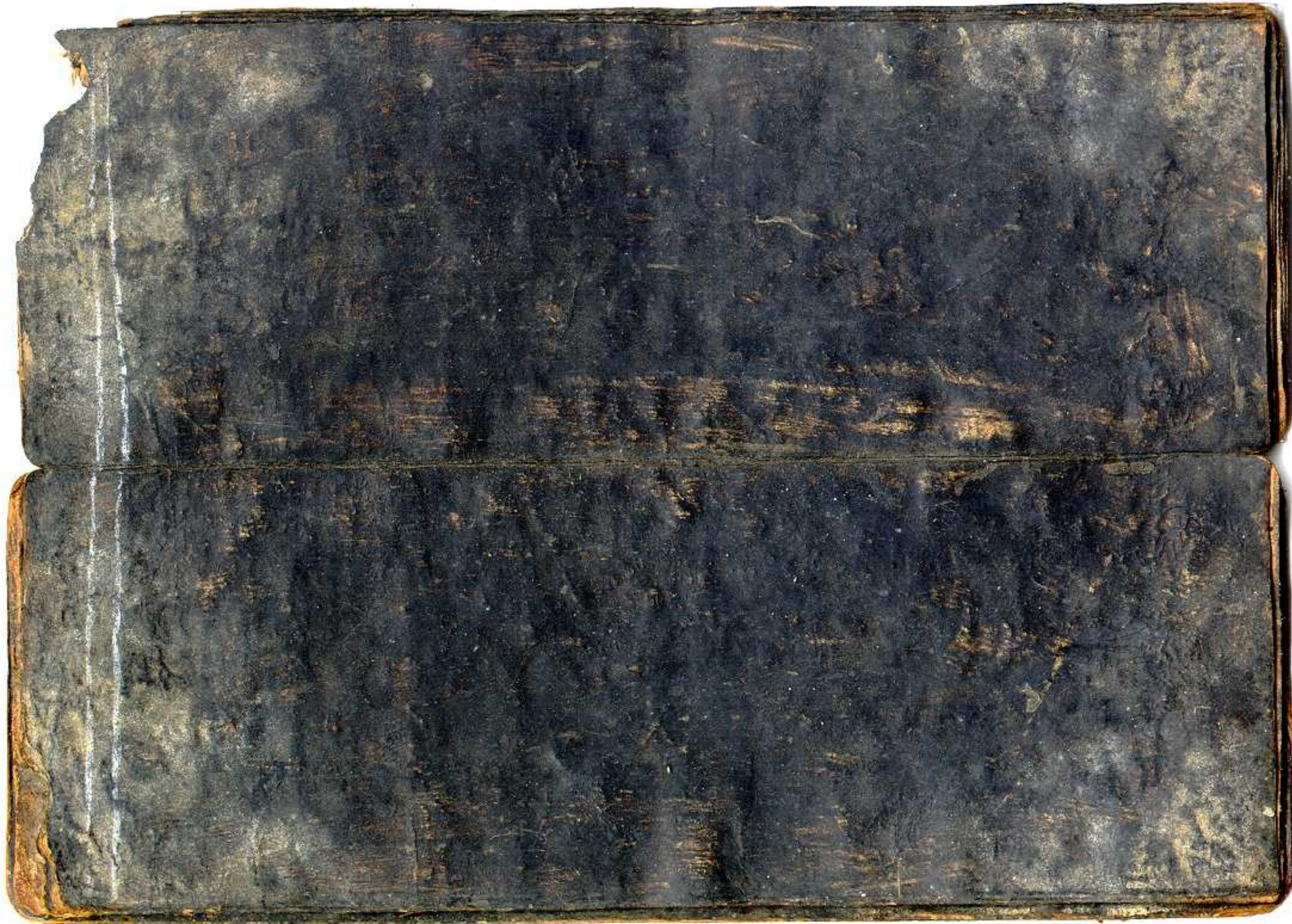
चंद्र कुत्रि न स्वान मान नि २१ वा द थ म न
 द व नार रु न ॥ आदि ग र्ज न य ॥
 २ १ २ ला ला हा रु न हा विदि स न न मा
 रा १ वृ न रा घ चान नि य मा न र य म
 स डे वा उ ड हा न वा न न न न न
 म न न वा न वी ड के १ १ १ १ १ १ १ १















The image displays a series of white, stylized markings on a dark, textured background. These markings are organized into approximately five horizontal rows. The characters are highly stylized and appear to be a form of shorthand or a specific dialect of a script. Some characters resemble numbers, such as '12', '13', '14', '15', and '16'. Other characters are more complex, featuring loops and curves. The overall appearance is that of a historical or archaeological find, possibly a piece of parchment or a metal plate with inscriptions. The texture of the surface is rough and uneven, with some areas showing more wear than others.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
गोबतने मय म डु

ॐ हं मों हं, धं मों हं गं मों हं, श्री पाँचुं गें कों पाँडुं कों किं श्री
ग्या ॥ ध्यान सिधरो का पाथम निदा ॥ अ न स र्व ह न व स्य ॥ ॥

ॐ कृ मि ना म २ का ट कृ पूर्व दि स र्गा व र्हा न र्दु ॥ ध्यान कृ घ्न न
का उ १५ ग थि न क र वा य वि र्द न कृ गि स चि चि वि धि न या
उ त्वे न र्दु ४ थि किं मि र्द द गू ॥ ॥ १ न उं ध न स श्रु न
द य वृ लू या डा उ न या उ रि न र्क दि उ दि या उ रि न र्क
वा स र्द या उ ध वा स न वृ य स र्क ल वा स र्क कृ ना म ॥ ॥